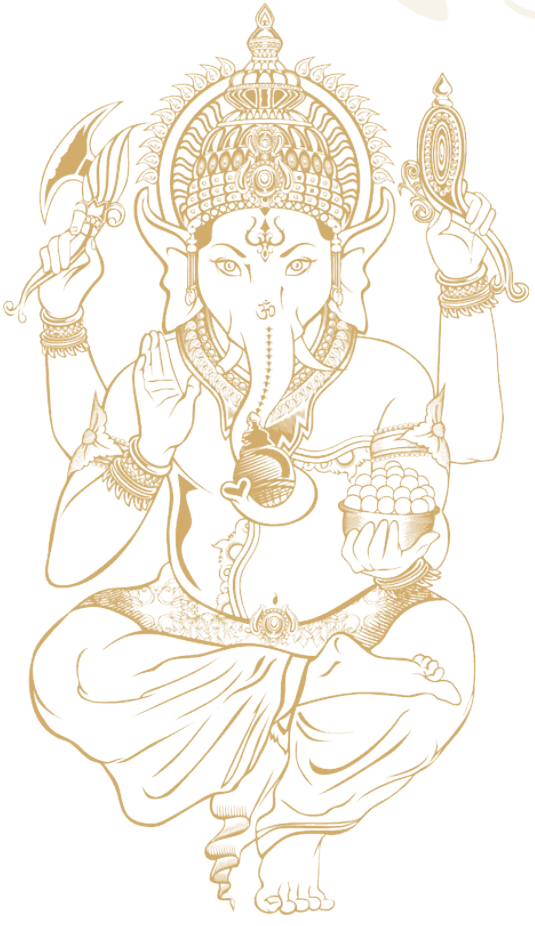

# Mr.ashutosh mishra

# Ms.ayushi tivari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120528605

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 18/09/1993 | जन्म तिथि | 02/05/1994 |
| शनिवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 19:55:00 | जन्म समय | 13:19:00 घंटे |
| घटी 35:22:58 | जन्म समय(घटी) | 19:55:34 घटी |
| India | देश | India |
| Basti | स्थान | Kanpur |
| 26:48:00 उत्तर | अक्षांश | 26:27:00 उत्तर |
| 82:44:00 पूर्व | रेखांश | 80:19:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:00:56 | स्थानिक संस्कार | -00:08:44 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:45:48 | सूर्योदय | 05:30:55 |
| 18:00:15 | सूर्यास्त | 18:41:02 |
| 23:46:25 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:46:54 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| राहु 17वर्ष 7मा 9दि | 11:57:44 | मेष | लग्न | सिंह | 07:20:18 | चन्द्र 6वर्ष 7मा 1दि |
| गुरु | 01:54:34 | कन्या | सूर्य | मेष | 17:54:09 | गुरु |
| 29/04/2011 | 06:57:25 | तुला | चंद्र | मक | 14:32:59 | 02/12/2025 |
| 29/04/2027 | 00:32:07 | तुला | मंगल | मीन | 19:47:48 | 02/12/2041 |
| गुरु 16/06/2013 | 17:53:31 | कन्या | बुध | मेष | 20:08:46 | गुरु 21/01/2028 |
| शनि 28/12/2015 | 24:53:48 | कन्या | गुरु व | तुला | 15:45:23 | शनि 03/08/2030 |
| बुध 04/04/2018 | 02:34:51 | सिंह | शुक्र | वृष | 13:35:24 | बुध 08/11/2032 |
| केतु 11/03/2019 | 01:06:36 | कुंभ व | शनि | कुंभ | 16:29:58 | केतु 15/10/2033 |
| शुक्र 09/11/2021 | 11:48:51 | वृश्चि व | राहु व | वृश्चि | 00:06:12 | शुक्र 15/06/2036 |
| सूर्य 28/08/2022 | 11:48:51 | वृष व | केतु व | वृष | 00:06:12 | सूर्य 03/04/2037 |
| चन्द्र 28/12/2023 | 24:29:15 | धनु व | हर्ष व | मक | 02:33:41 | चन्द्र 03/08/2038 |
| मंगल 03/12/2024 | 24:38:21 | धनु व | नेप व | धनु | 29:33:21 | मंगल 10/07/2039 |
| राहु 29/04/2027 | 29:33:10 | तुला | प्लूटो व | वृश्चि | 03:20:10 | राहु 02/12/2041 |

**लग्न-चलित**

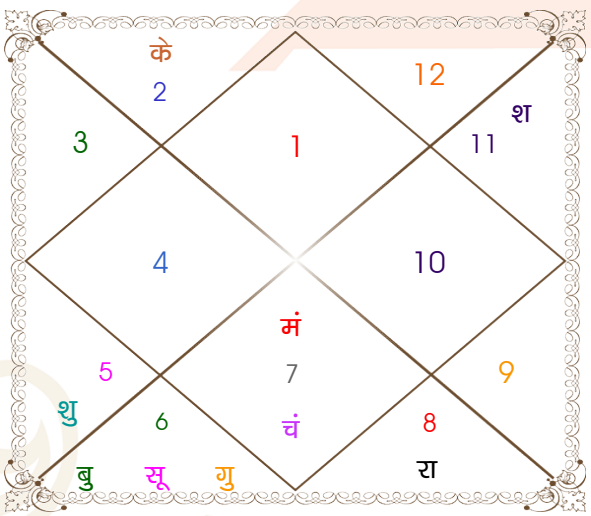


**लग्न-चलित**

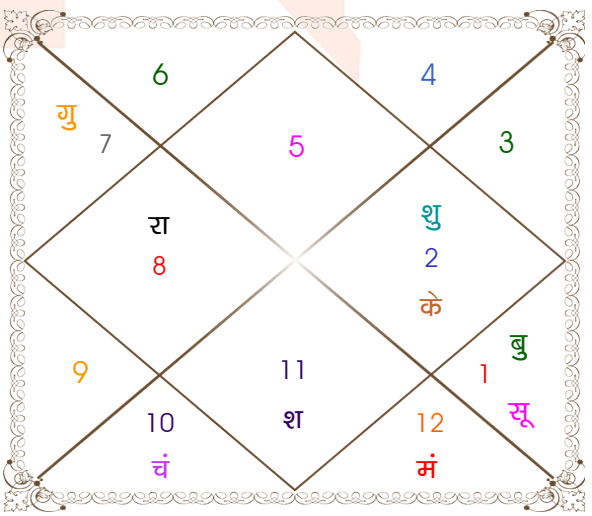

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | वैश्य | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | महिष | वानर | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | शनि | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | तुला | मकर | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 22.50 | | |

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.ayushi tivari का नक्षत्र श्रवण है।

Mr.ashutosh mishra का वर्ग मृग है तथा Ms.ayushi tivari का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.ashutosh mishra और Ms.ayushi tivari का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.ashutosh mishra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.ashutosh mishra कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.ayushi tivari मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.ayushi tivari कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**
**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.ayushi tivari कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**
**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr.ashutosh mishra कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.ashutosh mishra कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.ashutosh mishra तथा Ms.ayushi tivari में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।